यूनियन बैंक ऑफ इंडिया
अच्छे लोग, अच्छा बैंक

Union Bank of India
Good people to bank with

केन्द्रीय कार्यालयः यूनियन बैंक भवन, 239, विधान भवन मार्ग, नरीमन पॉइंट, मुंबई – 400 021.
Central Office: Union Bank Bhavan, 239, Vidhan Bhavan Marg, Nariman Point, Mumbai - 400 021.

30 सितंबर, 2018 को समाप्त अर्धवार्षिकी हेतु अलेखापरीक्षित वित्तीय परिणाम

Unaudited Financial Results for the Half Year ended on 30th September, 2018

राजकिरण रै जी.

प्रबंध निदेशक एवं सीईओ

6 दिसम्बर, 2018

प्रिय शेयरधारक,

आपको एवं आपके परिवार को हार्दिक शुभकामनाएँ तथा आगामी नव वर्ष की मंगलकामनाएँ!

आपके बैंक ने 11 नवम्बर, 2018 को अपने 100वें स्थापना दिवस पर शताब्दी वर्ष में आगमन किया है. सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के बीच में यूनियन बैंक कम पूंजी में वृद्धि, कुशल प्रक्रिया एवं मानव पूंजी पर अधिक ध्यान केन्द्रित करते हुए उत्कृष्ट परिणाम हासिल करने में सफल रहा है. हमने क्रेडिट अंडरराइटिंग के केन्द्रीकरण, नए कारोबार अर्जन हेतु विपणन एवं बिक्री जनबल के वर्टिकलाइजेशन, अनुश्रवण एवं वसूली क्षमताओं के विशिष्टीकरण तथा समग्र कौशल एवं सेवा मानकों में डिजिटलाइजेशन के जरिए नए बदलाव किए हैं. नए तौर-तरीकों से कारोबार करने की हमारी इन रणनीतियों के परिणामस्वरूप हमारा बैंक वित्तीय वर्ष 2018-19 की प्रथम छमाही में मुनाफा दर्शाने में सफल रहा है.

हाल ही में समाप्त तिमाही और 30 सितंबर, 2018 को समाप्त अर्धवर्ष के वित्तीय परिणामों के कुछ विशेष पहलुओं को आपसे साझा करते हुए मुझे हर्ष का अनुभव हो रहा है. मैं समग्र घटनाक्रमों का एक सूक्ष्म विहंगावलोकन आपके समक्ष प्रस्तुत कर रहा हूँ, जो वित्त वर्ष 2018-19 के पूर्वार्ध के दौरान व्यापार की प्रगति को दर्शाता है.

1. समग्र आर्थिक परिदृश्य

वित्त वर्ष का पूर्वार्ध काफी घटनापूर्ण रहा, जिसमें वित्तीय बाज़ार में बढ़ती चिंताओं ने समष्टि अर्थशास्त्र के सकारात्मक पहलुओं को लगभग नकार दिया. सबसे पहले, वित्त वर्ष 2019 की पहली तिमाही के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में वृद्धि के आंकड़ों ने दर्शाया कि सभी क्षेत्रों में मजबूत वापसी हुई और बढ़ती मांग के सूचकों के अनुसार उपभोग और निवेश दोनों ही में दूसरी तिमाही में तेजी दिखाई दी. दूसरी ओर, वित्तीय बाज़ार में आस्ति एवं देयताओं के बीच असंतुलन के पुनर्मूल्यांकन के कारण कारोबारी संभावनाओं में तेज गिरावट से एनबीएफ़सी में तरलता की समस्या दिखाई दी. कच्चे तेल और मुद्रा से जुड़ी बाहरी क्षेत्र की चुनौतियों के कारण भी इस स्थिति में कुछ खास सुधार नहीं हो सका. उत्साहजनक रूप से, बाहरी तौर पर स्थिति सामान्य होने के संकेत दिख रहे हैं और मुझे आशा है कि जल्दी ही इसका प्रभाव वित्तीय प्रवाह पर भी देखा जा सकेगा. यद्यपि बैंकिंग क्षेत्र में, समग्र रूप से वृद्धि परिलक्षित हुई है, फिर भी क्षेत्रवार ऋण नियोजन में असमानता बनी हुई है. कुछ बड़े एक्सपोजर के निपटान के साथ दबावग्रस्त आस्तियों के समाधान में निश्चित रूप से वृद्धि हुई है.

2. वित्तीय परिणाम की मुख्य बातें :

- वैश्विक कारोबार 30 सितंबर, 2017 को ₹6,95,978 करोड़ के सापेक्ष 3.1% की दर से बढ़कर 30 सितंबर, 2018 को ₹7,17,656 करोड़ हो गया. घरेलू कारोबार 30 सितंबर, 2017 को ₹6,56,046 करोड़ के सापेक्ष 6.5% की दर से बढ़कर 30 सितंबर, 2018 को ₹6,98,892 करोड़ हो गया.
- बैंक की कुल जमाराशि 30 सितंबर, 2017 के ₹3,86,025 करोड़ के सापेक्ष 30 सितंबर, 2018 को 3.4% की वृद्धि दर से बढ़कर ₹3,99,092 करोड़ हो गयी. बचत जमाराशि 30 सितंबर, 2017 के ₹1,07,522 करोड़ के सापेक्ष 30 सितंबर, 2018 को 10.1% की वृद्धि दर से बढ़कर ₹1,18,424 करोड़ हो गयी.
- बैंक का वैश्विक अग्रिम 2.8% की वार्षिक वृद्धि दर के साथ 30 सितंबर, 2018 को ₹3,18,563 करोड़ हो गया, जो 30 सितंबर, 2017 को ₹3,09,953 करोड़ था. घरेलू अग्रिम 30 सितंबर, 2017 के ₹2,77,015 करोड़ के सापेक्ष 9.0% की वृद्धि के साथ 30 सितंबर, 2018 को ₹3,02,007 करोड़ हो गया.
- परिचलान लाभ 2017 -18 की छमाही के ₹3,996 करोड़ की तुलना में 2018-19 की छमाही में ₹3,861 करोड़ रहा.
- शुद्ध लाभ अर्धवर्ष 2017-18 के ₹1,414 करोड़ की हानि की तुलना में अर्धवर्ष 2018-19 में सुधार के साथ ₹269 करोड़ हो गया.
- वैश्विक शुद्ध ब्याज मार्जिन (एनआईएम) अर्धवर्ष 2017-18 के 2.07% के सापेक्ष अर्धवर्ष 2018-19 में बढ़कर 2.22% हो गया. घरेलू एनआईएम अर्धवर्ष 2017-18 के 2.17% के सापेक्ष अर्धवर्ष 2018-19 में 2.26% रहा.
- शुद्ध ब्याज आय अर्धवर्ष 2017-18 के ₹4,564 करोड़ की तुलना में 12.2% की वृद्धि के साथ अर्धवर्ष 2018-19 में ₹5,120 करोड़ हो गई.
- गैर ब्याज आय अर्धवर्ष 2018-19 में ₹2,107 करोड़ रही.
- शुद्ध लाभ अर्धवर्ष 2017-18 के ₹1,414 करोड़ की हानि की तुलना में अर्धवर्ष 2018-19 में सुधार के साथ ₹269 करोड़ हो गया.
- औसत आस्तियों पर प्रतिलाभ (वार्षिकीकृत) अर्धवर्ष 2017-18 के -0.59% की तुलना में अर्धवर्ष 2018-19 में सुधार के साथ 0.10% हो गया.
- इक्विटि पर प्रतिलाभ (वार्षिकीकृत) अर्धवर्ष 2017-18 के -16.54% की तुलना में अर्धवर्ष 2018-19 में सुधार के साथ 3.00% हो गया.
- निधियों पर आय अर्धवर्ष 2017-18 के 6.88% की तुलना में अर्धवर्ष 2018-19 में 6.73% रही.
- निधियों की लागत अर्धवर्ष 2017-18 के 4.96% की तुलना में अर्धवर्ष 2018-19 में 4.74% रही.
- आय लागत अनुपात अर्धवर्ष 2018-19 में 46.58% रहा.
- प्रति शेयर आय (वार्षिकीकृत) अर्धवर्ष 2018-19 में ₹ 4.60 रही.

3. आस्ति गुणवत्ता :

- नकद वसूली और उन्नयन अर्धवर्ष 2017-18 के ₹1,115 करोड़ के सापेक्ष 190% की वृद्धि के साथ अर्धवर्ष 2018-19 में ₹3,238 करोड़ हो गया.
- सकल एनपीए 30 सितंबर, 2017 के 12.35 % के सापेक्ष 30 सितंबर, 2018 को 15.74 % रहा.
- शुद्ध एनपीए अनुपात 30 सितंबर, 2017 के 6.70 % के सापेक्ष 30 सितंबर, 2018 को 8.42 % रहा.

- प्रावधान कवरेज अनुपात 30 सितंबर, 2017 के 56.06 % के सापेक्ष 30 सितंबर, 2018 को 57.66% रहा.

4. पूँजी पर्याप्तता :

- बासल III के अंतर्गत बैंक का पूंजी पर्याप्तता अनुपात 30 सितंबर, 2017 के 11.22% तथा न्यूनतम विनियामक अपेक्षा 10.875% की तुलना में 30 सितंबर, 2018 को 11.55% रहा.
- 30 सितंबर, 2018 को टियर I अनुपात 9.02% है, जिसमें से कॉमन इक्विटि टियर I अनुपात 7.375% की न्यूनतम विनियामक अपेक्षा की तुलना में 7.54% रहा.

5. डिजिटल पहल :

- डिजिटल क्षेत्र में विभिन्न कदम उठाने और ग्राहक सेवाओं में लगातार वृद्धि के लिए विभिन्न डिजिटल उत्पादों की शुरुआत करने में हमारा बैंक अग्रणी रहा है. ''परिणाम स्वरुप कुल लेनदेनों'' में से 76% हिस्सा ''डिजिटल चैनल से लेनदेन'' का रहा है.
- बैंक कई डिजिटल उत्पाद उपलब्ध कराता है जैसे- सभी मोबाइल एवं वेब आधारित भुगतान चैनल के लिए सिंगल यूसर इंटरफेस के साथ ''यूनियन सहयोग'' ऐप; विभिन्न अनुरोधों, पूछताछों एवं निधि अंतरण के लिए सुरक्षित और सुविधापूर्ण ''यू मोबाइल'' ऐप; बिल भुगतान, डीटीएच रीचार्ज, मोबाइल रीचार्ज, ऑनलाइन निधि अंतरण के लिए ''डिजिपर्स'' मोबाइल वालेट; ऐप आधारित पासबुक ''एम पासबुक''; ऐप आधारित खाते खोलने के लिए ''यूनियन सेल्फ़ी'' ऐप; अंतर-संचालित भुगतानों को संभव बनाने के लिए ''यूनिफ़ाइड पेमेंट इंटरफेस'' और ऐप आधारित क्रेडिट कार्ड कंट्रोल के लिए ''यू कंट्रोल'' ऐप. मोबाइल बैंकिंग के उपयोगकर्ताओं में वार्षिक आधार पर 74% की वृद्धि हुई है.
- ग्राहकों को और अधिक सुविधा प्रदान करने के लिए बैंक की ''ई-लॉबी'' द्वारा विभिन्न स्वचालन सुविधाएँ उपलब्ध कराई जाती हैं जैसे- पासबुक प्रिंटिंग की स्व-सेवा, चेक जमा करने की मशीन, नकदी जमा करने की मशीन, एटीएम आदि. बैंक ने कई अन्य डिजिटल पहल की हैं : चैटबॉट - आर्टिफ़िशियल इंटेलिजेंस के माध्यम से मानव उपयोगकर्ताओं के साथ बातचीत के लिए ''यूनियन वर्चुअल असिस्टेंट''.
- इसके अतिरिक्त, भारत में डिजिटल बदलाव के साथ कदम मिलाते हुए, बैंक ने इन-हाउस मोबाइल आधारित ऋण-वसूली ऐप विकसित किया है ताकि लोकेशन की जियो टैगिंग हो सके और ओटीएस कैलकुलेटर - एनपीए उधारकर्ताओं के लिए न्यूनतम निपटान राशि और एनपीवी की गणना में सहायता मिल सके.

6. वित्तीय समावेशन :

- प्रधानमंत्री जन-धन योजना (पीएमजेडीवाई) के अंतर्गत बैंक में 92 लाख से भी अधिक खाते हैं, जिनमें ₹ 1,996 करोड़ की राशि जमा है.
- 30 सितंबर, 2018 तक पीएमजेडीवाई के अंतर्गत 48.20 लाख रूपे कार्ड जारी किए जा चुके हैं.
- प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना (पीएमएसबीवाई), प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना (पीएमजेजेबीवाई) और अटल पेंशन योजना (एपीवाई) के अंतर्गत कुल नामांकन बढ़कर क्रमशः 32.4 लाख, 13.7 लाख एवं 3.7 लाख हो गए हैं.
- बैंक ने प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के अंतर्गत अप्रैल-सितंबर 2018 के दौरान 87,933 खातों में ₹ 2,120 करोड़ का वित्तपोषण किया है, जिसमें हल्के व्यावसायिक वाहनों के वित्तपोषण हेतु विशेष योजना द्वारा 19,899 लाभार्थियों को दी गयी ₹ 497 करोड़ की राशि शामिल है.

7. नेटवर्क :

- 4 समुद्रपारीय शाखाओं हांगकांग, डीआईएफ़सी (दुबई), एंटवर्प (बेल्जियम) तथा सिडनी (आस्ट्रेलिया) को छोड़कर, 30 सितंबर, 2018 को बैंक का शाखा नेटवर्क 4,299 है. इसके अतिरिक्त शंघाई, बीजिंग तथा अबू धाबी में बैंक के प्रतिनिधि कार्यालय हैं. बैंक अपनी पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी 'यूनियन बैंक ऑफ इंडिया (यूके) लिमिटेड' के माध्यम से इंग्लैंड में भी अपना कारोबार कर रहा है.
- 30 जून, 2018 को बैंक के 3,466 टॉकिंग एटीएम और 5,407 माइक्रो एटीएम सहित कुल एटीएमों की संख्या 12,201 हो गई है. शाखा के सापेक्ष एटीएम का अनुपात 2.84 है.

8. पुरस्कार एवं सम्मान :

- वर्ल्ड एचआरडी कॉंग्रेस अवार्ड - उच्च प्रबंधन और मध्यम प्रबंधन श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ नेतृत्व विकास कार्यक्रम पुरस्कार
- एशिया पेसिफिक एचआरएम कॉंग्रेस अवार्ड - नवोन्मेषी मानव संसाधन प्रथाओं की संस्था
- यूआईडीएआई अवार्ड - ''राइसिंग स्टार अवार्ड'' - सर्वश्रेष्ठ आधार सेवाओं के लिए 2018 का प्रथम पुरस्कार
- पीएफ़आरडीए अवाड्र्स - बेस्ट परफॉर्मिंग बैंक - एपीवाई फॉर्मेशन डे और बेस्ट परफॉर्मिंग बैंक - क्वेस्ट फॉर क्राउन

मैं आशा करता हूँ कि उत्कृष्ट ग्राहक सेवा प्रदान करने तथा बैंक के मिशन और विज़न को पूरा करने में आपका सहयोग निरंतर बना रहेगा.

शुभकामनाओं सहित,

आपका,

(**राजकिरण रै जी.**)

Rajkiran Rai G.

Managing Director & CEO

December 6, 2018

Dear Shareholder,

Season's Greetings to you & your family and my best wishes for a prosperous New Year ahead!

Your Bank has entered into its Centenary Year on its 100th foundation day on November 11, 2018. Union Bank is an Outperformer amongst public sector Banks with focus on capital light growth, process efficiency and human capital. We have ushered in new shifts through Centralization of credit underwriting, Verticalization of marketing & sales force for sourcing of new business, Specialization in monitoring & collection capabilities and Digitalization for overall efficiency and service standards. Our strategic shift towards new ways of doing business reflects in our Bank reclaiming profitability in H1, FY 2018-19.

It is my pleasure to share with you some of the highlights of the financial results for the just concluded quarter and half year ended September 30, 2018. I shall begin with a brief overview of macro developments which will set the context of business progress during the first half of financial year 2018-19.

1. Macro Overview

It has been really happening first half of the financial year with macroeconomic positives nearly outweighed by rising concerns in financial markets. Firstly, Gross Domestic Product (GDP) growth numbers for Q1FY19 signaled recovery gaining hold across sectors, with demand side high frequency indicators showing consumption and investment both gaining pace in second quarter. On the other hand, financial markets witnessed a sharp reversal of prospects with reassessment of asset liability mismatches breeding liquidity concerns around NBFCs. External sector challenges in terms of crude and currency didn't help the cause, either. Encouragingly, there is semblance of normalcy returning on external front and I hope it soon start reflecting in financial flows. Of the banking sector, banking aggregates noted smart uptick, though sectoral deployment of credit remains uneven. Resolution of stressed assets took some definite advance with a few big ticket exposures leading to conclusion.

2. Highlights of Financial Results:

- Global Business grew by 3.1 per cent to ₹7,17,656 crore as on September 30, 2018 from ₹6,95,978 crore as on September 30, 2017. Domestic business grew by 6.5 per cent to ₹6,98,892 crore as on September 30, 2018 from ₹6,56,046 crore as on September 30, 2017.
- Total deposit of the bank grew from ₹3,86,025 crore as on September 30, 2017 to ₹3,99,092 crore as on September 30, 2018 showing growth of 3.4 per cent. Saving deposits grew by 10.1 per cent to ₹1,18,424 crore as on September 30, 2018 from ₹1,07,522 crore as on September 30, 2017.
- The Bank's Global Advances grew by 2.8 per cent to ₹3,18,563 crore as on September 30, 2018 from ₹3,09,953 crore as on September 30, 2017. Domestic Advances increased by 9.0 per cent from ₹2,77,015 crore as on September 30, 2017 to ₹3,02,007 crore as on September 30, 2018.
- Operating profit for H1 2018-19 stood at ₹3,861 crore as against ₹3,996 crore for H1 2017-18.
- Net profit for H1 2018-19 improved to ₹269 crore from loss of ₹1,414 crore in H1 2017-18.
- Global Net Interest Margin (NIM) for H1 2018-19 increased to 2.22 per cent as against 2.07 per cent for H1 2017-18. Domestic NIM stood at 2.26 per cent for H1 2018-19 as against 2.17 per cent for H1 2017-18.
- Net Interest Income for H1 2018-19 up by 12.2 per cent on YoY basis to ₹5,120 crore from ₹4,564 crore in H1 2017-18.
- Non Interest Income for H1 2018-19 stood at ₹2,107 crore.
- Return on average assets (annualised) improved to 0.10 per cent for H1 2018-19 from -0.59 for H1 2017-18.
- Return on equity (annualised) improved to 3.00 per cent in H1 2018-19 from -16.54 per cent for H1 2017-18.
- Yield on funds stood at 6.89 per cent for H1 2018-19 as against 6.88 per cent for H1 2017-18.
- Cost of funds stood at 4.84 per cent for H1 2018-19 as against 4.96 per cent for H1 2017-18.
- Cost to Income ratio stood at 46.58 per cent during H1 2018-19.
- Earnings per share (annualised) stood at ₹4.60 in H1 2018-19.

3. Asset Quality:

- Cash Recovery & Up-gradation during H1 2018-19 increased by 190 per cent to ₹ 3,238 crore as against ₹ 1,115 crore during H1 2017-18.
- Gross NPA stood at 15.74 per cent as on September 30, 2018 as against 12.35 per cent as on September 30, 2017.
- Net NPA ratio stood at 8.42 per cent as on September 30, 2018 as against 6.70 per cent as on September 30, 2017.

- Provision Coverage Ratio stood at 57.66 per cent as on September 30, 2018 as against 56.06 per cent as on September 30, 2017.

4. Capital Adequacy:

- Capital Adequacy ratio of the Bank under Basel III is 11.55 per cent as on September 30, 2018 as against 11.22 per cent as on September 30, 2017 compared to minimum regulatory requirement of 10.875 per cent.
- The Tier I ratio as of September 30, 2018 is 9.02 per cent, within which Common Equity Tier 1 ratio is 7.54 per cent compared to regulatory minimum of 7.375 per cent.

5. Digital Initiatives:

- The Bank has been pioneer in taking various digital initiatives and continuously launched various digital products for enhancing the customer services. As a result 76 per cent share of "transactions through digital channels" in "overall transactions".
- The Bank offers "Union Sahyog" app with single user interface for all mobile and web based payment channel; "U mobile" secure and convenient means of various request, inquiry and fund transfer; "Digipurse" mobile wallet with features of Bill Payment, DTH Recharge, Mobile Recharge, online fund transfer; "M Passbook" app based passbook; Union Selfie app based account opening; "Unified Payment Interface (UPI)" Mobile based application enabling interoperable payments and "Ucontrol" app based credit card control. Mobile banking users grew by 74 per cent on YoY basis.
- Bringing more convenience to customers, the Bank's "E-Lobby" provide automation like self service passbook printing, cheque deposits machine, cash deposit machine, ATM etc. The Bank has taken several other digital initiatives: Chatbot—"Union Virtual Assistant" to simulate conversation with human users using Artificial Intelligence.
- Further, keeping pace with India's Digital transformation, the Bank has developed in-house mobile based recovery app - To aid NPA recovery by geo tagging of location; OTS calculator - To calculate minimum settlement amount and NPV for NPA borrowers.

6. Financial Inclusion:

- Under the Pradhan Manrti Jan Dhan Yojana **(PMJDY),** the Bank has more than 92 lakh accounts having a balance of ₹1,996 crore.
- 48.20 lakh Rupay Card issued under PMJDY as on September 30, 2018.
- Total enrollment under Pradhan Mantri Suraksha Bima Yojana **(PMSBY),** Pradhan Mantri Jeevan Jyoti Bima Yojana **(PMJJBY)** and Atal Pension Yojana **(APY)** increased to 32.4 lakh, 13.7 lakh and 3.7 lakh respectively.
- The Bank financed ₹2,120 crore in 87,933 accounts under Pradhan Mantri Mudra Yojana, including an amount of ₹497 crore to 19,899 beneficiaries through a specific scheme for financing of light commercial vehicle during H1 2018-19.

7. Network:

- The Bank has 4,299 branches as of September 30, 2018 excluding 4 overseas branches at Hong Kong, DIFC (Dubai), Antwerp (Belgium) and Sydney (Australia). In addition, the Bank has representative offices at Abu Dhabi. The Bank also operates in United Kingdom through its wholly owned subsidiary, Union Bank of India (UK) Ltd.
- Total number of ATMs stood at 12,201 including 5,407 micro ATMs & 3,466 talking ATMs as of September 30, 2018. ATM to branch ratio stood at 2.84.

8. Awards & Accolades:

- **World HRD Congress Award -** Best Leadership Development program Award in Top Management Category and Middle Management Category
- **Asia Pacific HRM Congress Award -** Organization with Innovative HR Practices
- **UIDAI Award -** "Rising Star Award" - 1st Rank 2018 for best Aadhaar Services
- **PFRDA Awards -** Best Performing Bank- APY Formation Day & Best Performing Bank- Quest for Crown

I look forward to your continued support in the Bank's endeavor to excel in customer service and fulfill the Bank's Mission and Vision.

With best wishes,

Yours sincerely,

(Rajkiran Rai G.)

30 सितंबर, 2018 को समाप्त तिमाही/छमाही हेतु पुनरीक्षित वित्तीय परिणाम / Reviewed Financial Results For The Quarter/Half Year Ended 30th September, 2018

(रु. लाख में / ₹ in Lacs)

क्र. सं. Sr. No.	विवरण Particulars	समाप्त तिमाही Quarter Ended			समाप्त छमाही Half Year Ended		समाप्त वर्ष Year Ended
		पुनरीक्षित (Reviewed)			पुनरीक्षित (Reviewed)		लेखापरीक्षित (Audited)
		30.09.2018	30.06.2018	30.09.2017	30.09.2018	30.09.2017	31.03.2018
1	अर्जित ब्याज (ए+बी+सी+डी) Interest earned (a+b+c+d)	**8,53,882**	**8,70,081**	**8,22,239**	**17,23,963**	**16,37,543**	**32,74,800**
	(ए) (a) अग्रिमों / बिलों पर ब्याज / बट्टा Interest/discount on advances/bills	5,90,723	6,01,151	5,75,425	11,91,874	11,49,193	22,77,298
	(बी) (b) निवेशों पर आय Income on investments	2,37,987	2,35,219	2,19,486	4,73,206	4,34,251	8,77,996
	(सी) (c) भारिबैं में जमाराशियों और अन्य अंतर बैंक निधियों पर ब्याज Interest on balances with Reserve Bank of India and other inter bank funds	23,463	30,901	25,876	54,364	51,378	1,13,937
	(डी) (d) अन्य Others	1,709	2,810	1,452	4,519	2,721	5,569
2	अन्य आय Other Income	89,944	1,20,795	1,21,734	2,10,739	2,63,199	4,98,986
ए. A.	**कुल आय TOTAL INCOME (1+2)**	**9,43,826**	**9,90,876**	**9,43,973**	**19,34,702**	**19,00,742**	**37,73,786**
3	दिया गया ब्याज Interest Expended	6,04,570	6,07,469	5,90,166	12,12,039	11,81,210	23,44,334
4	परिचालन खर्च (ई+एफ) Operating Expenses (e+f)	1,62,068	1,74,529	1,59,910	3,36,597	3,19,976	6,75,495
	(ई) (e) कर्मचारी लागत Employees cost	77,552	77,016	80,579	1,54,568	1,62,708	3,25,523
	(एफ) (f) अन्य परिचालन खर्च Other operating expenses	84,516	97,513	79,331	1,82,029	1,57,268	3,49,972
बी. B.	**कुल खर्च (3+4) (प्रावधानों और आकस्मिक व्ययों को छोड़कर) Total Expenditure (excluding Provisions and Contingencies) (3+4)**	**7,66,638**	**7,81,998**	**7,50,076**	**15,48,636**	**15,01,186**	**30,19,829**
सी. C.	**परिचालन लाभ (प्रावधानों और आकस्मिक व्ययों के पूर्व) (ए - बी) OPERATING PROFIT (Profit before Provisions & Contingencies) (A-B)**	**1,77,188**	**2,08,878**	**1,93,897**	**3,86,066**	**3,99,556**	**7,53,957**
डी. D.	**प्रावधान (कर को छोड़कर) और आकस्मिकताओं Provisions (other than tax) and Contingencies**	**1,65,555**	**2,22,907**	**3,55,467**	**3,88,462**	**5,25,838**	**14,18,070**
	(जिसमें से गैर निष्पादित आस्तियों के लिए प्रावधान) (Of which provisions for Non-performing Assets)	(1,71,001)	(1,80,317)	(3,46,471)	(3,51,318)	(5,34,023)	(13,49,984)
ई. E.	**असाधारण मदें Exceptional Items**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**
एफ. F.	**साधारण गतिविधियों से लाभ Profit from Ordinary Activities before Tax (C-D-E)**	**11,633**	**(14,029)**	**(1,61,570)**	**(2,396)**	**(1,26,282)**	**(6,64,113)**
जी. G.	**कर व्यय Tax Expenses**	**(2,270)**	**(26,983)**	**(8,498)**	**(29,253)**	**15,132**	**(1,39,376)**
एच. H.	**साधारण गतिविधियों से निवल लाभ (एफ-जी) Net Profit from Ordinary Activity (F-G)**	**13,903**	**12,954**	**(1,53,072)**	**26,857**	**(1,41,414)**	**(5,24,737)**
आई. I.	**असाधारण मदें (दिए गए करों को घटाकर) Extraordinary items (net of tax expense)**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**

30 सितंबर, 2018 को समाप्त तिमाही/छमाही हेतु पुनरीक्षित वित्तीय परिणाम / Reviewed Financial Results For The Quarter/Half Year Ended 30th September, 2018

(रु. लाख में / ₹ in Lacs)

क्र. सं. Sr. No.	विवरण Particulars		समाप्त तिमाही Quarter Ended			समाप्त छमाही Half Year Ended		समाप्त वर्ष Year Ended
			पुनरीक्षित (Reviewed)			पुनरीक्षित (Reviewed)		लेखापरीक्षित (Audited)
			30.09.2018	30.06.2018	30.09.2017	30.09.2018	30.09.2017	31.03.2018
जे. J.	**अवधि के लिए निवल लाभ / (हानि) (एच-आई) Net Profit/Loss for the period (H-I)**		**13,903**	**12,954**	**(1,53,072)**	**26,857**	**(1,41,414)**	**(5,24,737)**
5	प्रदत्त इक्विटी शेयर पूंजी Paid-up equity share capital		1,16,857	1,16,857	72,643	1,16,857	72,643	1,16,857
6	आरक्षित निधियाँ जिनमें पुनर्मूल्यन आरक्षित निधियाँ शामिल नहीं Reserves excluding revaluation reserves (पिछले लेखा वर्ष के तुलन पत्र के अनुसार) (as per balance sheet of previous accounting year)							21,58,632
7	विश्लेषणात्मक अनुपात Analytical Ratios							
	(i)	भारत सरकार द्वारा धारित शेयरों का प्रतिशत Percentage of shares held by Government of India	67.43	67.43	65.40	67.43	65.40	67.43
	(ii)	पूंजी पर्याप्तता अनुपात Capital Adequacy Ratio	11.55	11.45	11.22	11.55	11.22	11.50
		(ए) सीईटी 1 अनुपात (a) CET 1 Ratio	7.54	7.50	7.00	7.54	7.00	7.60
		(बी) अतिरिक्त टियर 1 अनुपात (b) Additional Tier 1 Ratio	1.49	1.49	1.50	1.49	1.50	1.47
	(iii)	बेसिक और डायल्यूटेड प्रति शेयर अर्जन (वार्षिकीकृत नहीं) Basic and Diluted Earnings Per Share (Not Annualised)						
		(ए) असाधारण मदों से पूर्व (a) Before Extraordinary Items	1.19	1.11	(21.87)	2.30	(20.21)	*(69.45)
		(बी) असाधारण मदों के पश्चात् (b) After Extraordinary Items	1.19	1.11	(21.87)	2.30	(20.21)	*(69.45)
	(iv)	NPA Ratios						
		(ए) सकल गैर निष्पादित आस्तियों की राशि (a) Amount of gross non-performing assets	50,15,742	50,97,264	38,28,584	50,15,742	38,28,584	49,36,993
		(बी) निवल गैर निष्पादित आस्तियों की राशि (b) Amount of net non-performing assets	24,65,694	25,50,846	19,47,939	24,65,694	19,47,939	24,32,631
		(सी) सकल गैर निष्पादित आस्तियों का प्रतिशत (c) % of gross non-performing assets	15.74	16.00	12.35	15.74	12.35	15.73
		(डी) निवल गैर निष्पादित आस्तियों का प्रतिशत (d) % of net non-performing assets	8.42	8.70	6.70	8.42	6.70	8.42
	(v)	आस्तियों पर आय (वार्षिकीकृत) (औसत (%) Return on Assets (annualised) (Average) (%)	0.11	0.10	(1.27)	0.10	(0.59)	(1.07)

* Annualised

आस्तियों एवं देयताओं का विवरण / Statement of Assets and Liabilities			
			(रु. लाख में / ₹ in lacs)
विवरण / Particulars	**As at 30.09.2018 के अनुसार (पुनरीक्षित - Reviewed)**	**As at 30.09.2017 के अनुसार (पुनरीक्षित - Reviewed)**	**As at 31.03.2018 के अनुसार (लेखापरीक्षित - Audited)**
पूंजी एवं देयता / CAPITAL AND LIABILITIES			
पूंजी / Capital	1,16,857	72,643	1,16,857
प्रारक्षित एवं अधिशेष / Reserves and surplus	24,24,353	21,88,208	23,92,819
जमाराशियाँ / Deposits	3,99,09,219	3,86,02,486	4,08,50,164
उधारियां/ Borrowings	44,36,662	57,92,179	45,68,077
अन्य देयतायें तथा प्रावधान / Other Liabilities and Provisions	9,34,893	11,02,088	8,12,682
कुल / Total	**4,78,21,984**	**4,77,57,604**	**4,87,40,599**
आस्तियां / ASSETS			
भारतीय रिजर्व बैंक के पास नकदी तथा शेष / Cash and Balances with Reserve Bank of India	18,27,489	21,43,388	21,01,647
बैंक के पास शेष तथा मांग और अल्प अवधि के नोटिस पर धन / Balances with Banks and Money at Call and Short Notice	15,87,157	18,14,164	28,42,473
निवेश / Investments	1,27,14,326	1,28,41,784	1,23,78,012
अग्रिम / Advances	2,93,01,100	2,90,85,007	2,88,76,058
अचल आस्तियां / Fixed Assets	3,74,353	3,84,279	3,83,333
अन्य आस्तियां / Other Assets	20,17,559	14,88,982	21,59,076
कुल / Total	**4,78,21,984**	**4,77,57,604**	**4,87,40,599**

नोट्स :-

1. 30.09.2018 को समाप्त तिमाही/अर्ध वर्ष के लिए उपरोक्त वित्तीय परिणाम उन्हीं लेखा नीतियों के अनुसार तैयार किए गए हैं जिनका अनुपालन 31.03.2018 को समाप्त पूर्व वित्तीय वर्ष में किया गया था. इनकी पुनरीक्षा बोर्ड की लेखा परीक्षा समिति द्वारा की गई है और निदेशक मंडल ने 29.10.2018 को आयोजित अपनी बैठक में रिकॉर्ड में लिया है.यह बैंक के सांविधिक केंद्रीय लेखा परीक्षकों द्वारा सीमित पुनरीक्षा के अधीन भी है जो कि भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा जारी दिशानिर्देशों और सेबी (सूचीबद्धता बाध्यताएँ और प्रकटीकरण अपेक्षाएँ) विनियमन, 2015 के अनुरूप हैं.

   The above financial results for the quarter/half ended 30th September, 2018 arrived at by applying the same accounting policies as those followed in the preceding financial year ended 31st March 2018. These financial results have been reviewed by Audit Committee of the Board and taken on record by the Board of Directors in their meeting held on 29th October, 2018. The same has been subjected to limited review by the Statutory Central Auditors of the Bank in line with the guidelines issued by the Reserve Bank of India and as per the SEBI (Listing Obligations & Disclosure Requirements) Regulation, 2015.

2. 30 सितंबर 2018 को समाप्त तिमाही/अर्ध वर्ष के लिए बैंक के कार्यकारी परिणाम गैर- निष्पादक आस्तियों, मानक आस्तियों, पुनर्गठित आस्तियां, मानक डेरिवेटिव एक्सपोजर, तथा बंधकरहित विदेशी मुद्रा एक्सपोजर वाली संस्थाओं के एक्सपोजर, दबावग्रस्त क्षेत्र के अधीन मानक अग्रिमों पर अतिरिक्त प्रावधान, एमएसएमई उधारकर्ताओं, गैर- निष्पादक निवेशों, निवेश मूल्यह्रास हेतु प्रावधान को ध्यान में रखते हुए भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा जारी वर्तमान दिशानिर्देशों के आधार पर किए गए हैं.

   The working results of the Bank for the quarter/half year ended 30th September, 2018 have been arrived at after considering the provisions on Non-Performing Assets, Standard Assets, Restructured Assets, Standard Derivative Exposures, Provision for Exposure to Entities with

Un-Hedged Foreign Currency Exposure, Additional provision on standard advances under stressed sector, MSME borrowers and Non Performing Investments and Investment Depreciation on the basis of extant guidelines issued by the Reserve Bank of India.

3. कर्मचारी लाभ एवं आयकर सहित अन्य सामान्य आवश्यक प्रावधान आकलन आधार पर किये गये हैं. व्ययों को अनुमानित किये गये है एवं आनुपातिक आधार पर प्रदान किया गया हैं और वित्तीय वर्ष की समाप्ति पर समायोजन के अधीन भी है.

   Provision for employee benefits and other usual necessary provisions including income tax have been made on estimated basis. Expenses are estimated & provided on a proportionate basis and are subject to adjustment at the end of the financial year.

4. उपलब्ध डाटा के अनुसार वित्तीय विवरणियों और उधारकर्ताओं की घोषणाओं, जहां कहीं भी प्राप्त हुई हो, के आधार पर बैंक ने भारतीय रिजर्व बैंक के परिपत्र डीबीओडी.नंबर.बीपी.बीसी.85/21.06.200/2013-14 दिनांक 15 जनवरी, 2014 और 03 जून, 2014 के अंतर्गत आक्षित विदेशी मुद्रा एक्सपोजर (यूएफसीई) हेतु ₹ 23.07 करोड़ की दायिता आकलित की है और तदनुसार प्रथा के अनुरूप 30 सितम्बर, 2018 को संबंधित राशि के लिए उनके पास प्रावधान उपलब्ध है. तिमाही के दौरान संभावित देयता में ₹ 0.38 करोड़ वृद्धि हुई हैं.

   In terms of RBI circular DBOD.No.BP.BC.85/21.06.200/2013-14 dtd. 15th January, 2014 and 3rd June, 2014, based on available data, financial statements and the declaration from the borrowers wherever received, the Bank has estimated the probable liability of ₹ 23.07 crore towards Unhedged Foreign Currency Exposure (UFCE) to their constituents and accordingly as per practice, holds the provision for the said amount as on 30th September, 2018. During the quarter, there is an increase in the said probable liability by ₹ 0.38 crore.

5. भारतीय रिजर्व बैंक के परिपत्र डीबीओडी नंबर.बीपी.बीसी.1/21.6.201/2015-16 दिनांक 01 जुलाई, 2015 के अनुरूप बैंक द्वारा बासल III पूंजी विनियमन के अधीन पिलर 3 प्रकटन करने की आवश्यकता है. यह जानकारी बैंक के वेबसाइट लिंक: http://www.unionbankofindia.co.in/Basel_Disclosures_III.aspx. पर उपलब्ध है. यह प्रकटन सांविधिक लेखा परीक्षकों की सीमित पुनरीक्षा के अधीन नहीं है.

   In terms of RBI circular DBOD No.BP.BC. 1/21.6.201/2015-16 dated 1st July, 2015, banks are required to make Pillar 3 disclosures under Basel III capital regulations. These details are made available on Bank's website with link: http://www.unionbankofindia.co.in/Basel_Disclosures_III.aspx. These disclosures are not subjected to limited review by the Statutory Auditors.

6. बैंक ने भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा उपलब्ध कराई गई छूट का लाभ न लेते हुए, उसके स्थान पर निम्न के संबंध में पूर्ण प्रावधान करने का निश्चय किया है:

   The Bank has not availed the option of dispensations made available by the RBI and instead has preferred to make full provision in respect of the following:

   (क़) भारतीय रिजर्व बैंक के परिपत्र डीबीआर.नंबर.बीपी.बीसी. 102/21.04.048/2017-18 दिनांक 2 अप्रैल, 2018 में यह विकल्प उपलब्ध था कि एएफ़एस एवं एचएफ़टी श्रेणियों में धारित निवेशों में बाजार भाव पर दर्शायी गई हानियों को दिसंबर 2017 और मार्च 2018 तिमाही पर विभाजित कर,संबंधित तिमाही में ही पूर्ण प्रावधान कर दिया जाए.

   RBI circular DBR.No. BP.BC.102/21.04.048/2017-18 dated 2nd April, 2018 granted an option to spread mark to market losses on investments held in AFS and HFT category for quarters December 2017 and March 2018 have been provided fully in the respective quarters.

   (ख) भारतीय रिजर्व बैंक के परिपत्र डीबीआर.नंबर.बीपी.बीसी.113/21.04.048/2017-18 दिनांक 15 जून, 2018 में यह विकल्प उपलब्ध था कि एएफ़एस एवं एचएफ़टी श्रेणियों में धारित निवेशों में बाजार भाव पर दर्शायी गई हानियों को जून 2018 तिमाही पर विभाजित कर, जून 2018 तिमाही में ही पूर्ण प्रावधान कर दिया जाए.

   RBI Circular DBR.No. BP.BC.113/21.04.048/2017-18 dated 15th June, 2018, granted an option to spread mark to market losses on investments held in AFS and HFT category for June 2018 quarter have been provided fully in the June 2018 quarter itself.

   (ग) भारतीय रिजर्व बैंक के परिपत्र DBR.BP.9730/21.04.018/2017-18 दिनांक 27 अप्रैल, 2018 में यह विकल्प उपलब्ध था कि वर्धित उपदान सीमा को देखते हुए अतिरिक्त उपदान देयता को विभाजित किया जाए. अपेक्षित प्रावधान मार्च 2018 को समाप्त तिमाही के दौरान किया गया था.

   RBI communication DBR.BP.9730/21.04.018/2017-18 dated 27th April, 2018 granted an option to spread additional gratuity liability on account of enhanced gratuity limit. The required provision was made during the quarter ended March 2018.

   (घ) भारतीय रिजर्व बैंक के परिपत्र डीबीआर.नंबर.बीपी.बीसी.83/21.04.048/2014 दिनांक 1 अप्रैल, 2015 और डीबीआर.नंबर.बीपी.बी.सी 92/21.04.048/2015-16 दिनांक 18 अप्रैल,2016 में धोखाधड़ी के संबंध में प्रावधानों को विभाजित करने का विकल्प उपलब्ध था तथापि, बैंक ने तिमाही के दौरान धोखाधड़ी के रूप में वर्गीकृत की गई राशि का पूर्ण प्रावधान किया है.

      a) RBI Circular DBR.No.BP.BC.83/21.04.048/2014-15 dated 1st April, 2015 and DBR.No.BP.BC.92/21.04.048/2015-16 dated 18th April, 2016 granted an option to spread provision in respect of frauds. The Bank, however, has fully provided for the amount classified as fraud during the quarter.

7. वेतन संशोधन पर प्रस्तावित द्विपक्षीय समझौते के अनुसार (नवम्बर 2017 से प्रभावी) वेतन संशोधन के लिए ₹ 60 करोड़ की राशि का प्रावधान किया गया है. (संचयी प्रावधान; ₹ 220करोड़)

   Pursuant to the proposed bipartite agreement on wage revision (due with effect from November 2017), a sum of ₹ 60 Crore has been provided towards wage revision. (cumulative provision; ₹ 220 Crore).

8. भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान द्वारा जारी ''आय पर करों के लिए लेखांकन'' के लेखा मानक - 22 एवं भारतीय रिजर्व बैंक के दिशानिर्देशों के अनुरूप समय अवधि में अंतराल के संबंध में बैंक ने तिमाही (30 जून, 2017 को समाप्त तिमाही ₹ 321.70 करोड़) के दौरान ₹ 293.38 करोड़ एवं 30 सितम्बर 2018 को समाप्त अर्ध वर्ष (30 सितम्बर 2017 को समाप्त अर्ध वर्ष में ₹ 684.49 करोड़) के दौरान ₹ 873.69 करोड़ शुद्ध आस्थगित कर आस्तियों की पहचान की है.

The Bank has recognised net Deferred Tax Assets of ₹ 293.38 Crore during the quarter (quarter ended 30th June 2017 ₹ 321.70 Crore) and of ₹ 873.69 Crore during the half year ended 30th September 2018 (half year quarter ended 30th September 2017 ₹ 684.49 Crore) on timing differences in accordance with Accounting Standard-22 on ''Accounting for Taxes on Income'' issued by the Institute of Chartered Accountants of India and the guidelines issued by the Reserve Bank of India.

9. तिमाही के दौरान बैंक ने ₹ 1.00 करोड़ दंड का भुगतान किया जो कि भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा एक खाते में हुई धोखाधड़ी की रिपोर्टिंग विलंब से किए जाने के कारण लगाया गया था.

During the quarter the Bank has paid an amount of ₹ 1.00 Crore as penalty imposed by the Reserve Bank of India on account of delay in reporting of fraud in one account.

10. 30 सितम्बर, 2018 के अनुसार बैंक का प्रावधान कवरेज अनुपात 57.66% है (30 जून, 2018 को 56.49%).

Provision coverage ratio of the Bank as at 30th September, 2018 is 57.66 (as at 30th June 2018, 56.49%).

11. 30 सितम्बर, 2018 को समाप्त तिमाही के लिए निवेशकों की शिकायतों की स्थिति:

Position of investor complaints for the quarter ended 30th September 2018:

क्र.सं. Sr No	विवरण/Particulars	शिकायतों की संख्या No. of complaints
i	1 जुलाई, 2018 को लंबित Pending as on 01st July, 2018	0
ii	तिमाही के दौरान प्राप्त Received during the quarter	52
iii	तिमाही के दौरान सुलझायी गईं Resolved during the quarter	51
iv	30 सितम्बर, 2018 को लंबित Pending as on 30th September, 2018	1

12. पूर्व अवधि के आंकड़ों को यथा आवश्यक पुनः व्यवस्थित/पुनः वर्गीकृत/पुनः समूहीकृत किया गया है.

Figures of previous period have been rearranged/reclassified/regrouped wherever necessary.

30 सितंबर, 2018 को समाप्त तिमाही / अर्धवर्ष के लिए क्षेत्रवार रिपोर्टिंग / Segment Report For The Quarter / Half Year Ended 30th September, 2018

(रु. लाख में / ₹ in Lacs)

	व्यवसाय क्षेत्र Business Segment	समाप्त तिमाही QUARTER ENDED			समाप्त छमाही HALF YEAR ENDED		समाप्त वर्ष YEAR ENDED
		पुनरीक्षित (Reviewed)			पुनरीक्षित (Reviewed)		लेखा परीक्षित (Audited)
		30.09.2018	30.06.2018	30.09.2017	30.09.2018	30.09.2017	31.03.2018
क (a)	क्षेत्र का राजस्व Segment Revenue						
1	ट्रेजरी परिचालन Treasury Operations	2,84,488	3,04,535	3,12,085	5,89,023	6,38,648	12,00,817
2	रिटेल बैंकिंग परिचालन Retail Banking Operations	2,65,714	2,86,122	2,62,151	5,51,836	5,24,608	10,88,008
3	कॉर्पोरेट / होलसेल बैंकिंग Corporate /Wholesale Banking	3,86,125	3,86,467	3,59,407	7,72,592	7,20,627	14,01,238
4	अन्य बैंकिंग परिचालन Other Banking Operations	13,988	15,566	14,696	29,554	25,314	55,049
5	अनाबंटित Unallocated	-	5,251	-	5,251	-	49,822
	कुल क्षेत्रवार राजस्व Total Segment Revenue	**9,50,315**	**9,97,941**	**9,48,339**	**19,48,256**	**19,09,197**	**37,94,934**

(रु. लाख में / ₹ in Lacs)

	व्यवसाय क्षेत्र Business Segment	समाप्त तिमाही QUARTER ENDED			समाप्त छमाही HALF YEAR ENDED		समाप्त वर्ष YEAR ENDED
		पुनरीक्षित (Reviewed)			पुनरीक्षित (Reviewed)		लेखा परीक्षित (Audited)
		30.09.2018	30.06.2018	30.09.2017	30.09.2018	30.09.2017	31.03.2018
	घटाएँ: अंतर-क्षेत्र राजस्व Less: Inter-segment Revenue	(6,489)	(7,065)	(4,366)	(13,554)	(8,455)	(21,148)
	परिचालन से आय Income from operations	**9,43,826**	**9,90,876**	**9,43,973**	**19,34,702**	**19,00,742**	**37,73,786**
ख (b)	क्षेत्र के परिणाम Segment Results						
1	ट्रेजरी परिचालन Treasury Operations	49,747	30,620	83,590	80,367	2,01,916	1,64,905
2	रिटेल बैंकिंग परिचालन Retail Banking Operations	26,912	37,402	8,262	64,314	16,040	42,486
3	कॉर्पोरेट / होलसेल बैंकिंग Corporate /Wholesale Banking	(72,334)	(95,782)	(2,61,511)	(1,68,116)	(3,58,295)	(9,48,851)
4	अन्य बैंकिंग परिचालन Other Banking Operations	7,308	8,480	8,089	15,788	14,057	27,525
5	अनाबंटित Unallocated	-	5,251	-	5,251	-	49,822
	कर पूर्व कुल लाभ Total Profit Before Tax	**11,633**	**(14,029)**	**(1,61,570)**	**(2,396)**	**(1,26,282)**	**(6,64,113)**
ग (C)	क्षेत्रवार आस्तियां Segment Assets						
1	ट्रेजरी परिचालन Treasury Operations	1,66,17,467	1,74,71,184	1,69,29,671	1,66,17,467	1,69,29,671	1,74,04,992
2	रिटेल बैंकिंग परिचालन Retail Banking Operations	1,18,47,901	1,14,74,343	1,27,51,619	1,18,47,901	1,27,51,619	1,16,27,902
3	कॉर्पोरेट / होलसेल बैंकिंग Corporate /Wholesale Banking	1,85,05,991	1,90,37,225	1,77,33,023	1,85,05,991	1,77,33,023	1,87,28,880
4	अन्य बैंकिंग परिचालन Other Banking Operations	-	-	-	-	-	-
5	अनाबंटित Unallocated	8,50,625	8,22,755	3,43,291	8,50,625	3,43,291	9,78,825
	कुल Total	**4,78,21,984**	**4,88,05,507**	**4,77,57,604**	**4,78,21,984**	**4,77,57,604**	**4,87,40,599**
घ (D)	क्षेत्रवार देयताएं **Segment Liabilities**						
1	ट्रेजरी परिचालन Treasury Operations	1,59,08,822	1,67,53,107	1,61,03,421	1,59,08,822	1,61,03,421	1,67,65,029
2	रिटेल बैंकिंग परिचालन Retail Banking Operations	1,13,98,492	1,10,56,659	1,22,21,655	1,13,98,492	1,22,21,655	1,12,56,164
3	कॉर्पोरेट / होलसेल बैंकिंग Corporate /Wholesale Banking	1,78,04,030	1,83,44,240	1,69,96,029	1,78,04,030	1,69,96,029	1,81,30,128
4	अन्य बैंकिंग परिचालन Other Banking Operations	-	-	-	-	-	-
5	अनाबंटित Unallocated	1,69,430	1,25,524	1,75,648	1,69,430	1,75,648	79,602
	कुल Total	**4,52,80,774**	**4,62,79,530**	**4,54,96,753**	**4,52,80,774**	**4,54,96,753**	**4,62,30,923**

(रु. लाख में / ₹ in Lacs)

	व्यवसाय क्षेत्र Business Segment	समाप्त तिमाही QUARTER ENDED			समाप्त छमाही HALF YEAR ENDED		समाप्त वर्ष YEAR ENDED
		पुनरीक्षित (Reviewed)			पुनरीक्षित (Reviewed)		लेखा परीक्षित (Audited)
		30.09.2018	30.06.2018	30.09.2017	30.09.2018	30.09.2017	31.03.2018
ड (E)	नियोजित पूंजी (यथा क्षेत्रवार आस्तियां - क्षेत्रवार देयताएं) Capital Employed (i.e. Segment Assets-Segment Liabilities)						
1	ट्रेजरी परिचालन Treasury Operations	7,08,645	7,18,077	8,26,250	7,08,645	8,26,250	6,39,963
2	रिटेल बैंकिंग परिचालन Retail Banking Operations	4,49,409	4,17,684	5,29,964	4,49,409	5,29,964	3,71,738
3	कॉर्पोरेट / होलसेल बैंकिंग Corporate /Wholesale Banking	7,01,961	6,92,985	7,36,994	7,01,961	7,36,994	5,98,752
4	अन्य बैंकिंग परिचालन Other Banking Operations	-	-	-	-	-	-
5	अनाबंटित Unallocated	6,81,195	6,97,231	1,67,643	6,81,195	1,67,643	8,99,223
	कुल Total	**25,41,210**	**25,25,977**	**22,60,851**	**25,41,210**	**22,60,851**	**25,09,676**

1 बैंक चार खंडों में यथा ट्रेजरी, रिटेल, कॉर्पोरेट/होलसेल और अन्य बैंकिंग परिचालनों द्वारा परिचालन करता हैं. इन खंडों की पहचान उत्पादों तथा सेवाओं की प्रकृति तथा जोखिम प्रोफ़ाइल, लक्षित ग्राहक के स्वरूप, संघठनात्मक संरचना और बैंक की आंतरिक रिपोर्टिंग प्रणाली पर विचार करने के पश्चात खंडवार रिपोर्टिंग एएस -17 के अनुरूप की जाती है. बैंक ने व्यवसाय क्षेत्र का प्रकटीकरण प्राथमिक क्षेत्र के रूप में किया है. इस अवधि के लिए विदेशी शाखा के एएस-17 में निर्धारित राजस्व तथा अन्य मानक एएस -17 के अंतर्गत निर्धारित सीमा के अद्यधीन है, अतः बैंक का रिपोर्ट का केवल एक भौगोलिक खंड है.

The Bank operates in four segments viz., Treasury, Retail, Corporate / Wholesale and Other Banking Operations. These segments have been identified in line with AS-17 on segment reporting after considering the nature and risk profile of the products and services, the target customer profiles, the organizational structure and the internal reporting system of the bank. The bank has disclosed the business segment as primary segment. The revenue and other parameters prescribed in AS-17 of foreign branch for the period are within the threshold limits as stipulated under AS-17 and hence the bank has only one reportable geographical segment.

2 खंडवार आय, व्यय, नियोजित पूंजी, जो सीधे आबंटनीय नहीं है, उन्हें उचित अनुमान के आधार पर रिपोर्ट योग्य खंडों में आबंटित किया गया है.

Segment wise income, expenditure, Capital employed which are not directly allocable have been allocated to the reportable segments based on assumptions as considered appropriate by the management.

3 जहां भी आवश्यक है, मौजूदा तिमाही के वर्गीकरण/प्रस्तुतिकरण के साथ समकक्ष पूर्व वर्ष की /तिमाही के आंकड़ों को पुनः वर्गीकृत/पुनः समूहित किया गया है.

Previous year's/Quarter's figures have been regrouped/recasted wherever considered necessary to correspond with the current Quarter's classification/ presentation.

(गोपाल सिंह गुसाईं)
कार्यपालक निदेशक
(Gopal Singh Gusain)
Executive Director

(अतुल कुमार गोयल)
कार्यपालक निदेशक
(Atul Kumar Goel)
Executive Director

(राज कमल वर्मा)
कार्यपालक निदेशक
(Raj Kamal Verma)
Executive Director

(राजकिरण रै जी.)
प्रबंध निदेशक एवं सीईओ
(Rajkiran Rai G.)
Managing Director & CEO

(केवल हांडा)
अध्यक्ष
(Kewal Handa)
Chairman

भौतिक शेयरों का डिमैटीरियलाइजेशन

सेबी के दिनांक 08.06.2018 के दिशानिर्देशों एवं 03.12.2018 की प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, भौतिक शेयरों का हस्तांतरण दिनांक 01.04.2019 से स्वीकार्य नहीं होगा, अत: शेयरधारकों से अनुरोध है कि अपने भौतिक शेयरों को डिमैट करवायें.

शेयर के डिमैटीरियलाइजेशन पर शेयर के अंतरण के अलावा निम्नलिखित अतिरिक्त सुविधाएं उपलब्ध हैं.

ए. बैंक खाते में समय पर लाभांश का भुगतान

बी. डिपोजीटरी पार्टीसीपेंट (डीपी) को एक आवेदन देकर सभी कंपनियों में पते में परिवर्तन,मुख्तारनामे का पंजीकरण कराया जा सकता है.

सी. भौतिक रूप से प्रतिभूतियों को रखने की तुलना में इस तरह से प्रतिभूतियों को रखना सुरक्षित एवं सुविधाजनक है.

डी. डिमैट रूप में धारित प्रतिभूतियों के अंतरण पर कोई स्टैम्प शुल्क नहीं लगाया जाता है.

ई. प्रतिभूतियों के तुरंत अंतरण से तरलता में वृद्धि होती है.

एफ. यह विलंब,चोरी, अवरोध एवं इसके उपरांत प्रमाणपत्र के दुरुपयोग को कम करता है.

जी. संव्यवहार के उद्देश्य से एक शेयर का बाजार लॉट अत:विषम लॉट की कोई समस्या नहीं.

एच. एक सुपुर्दगी अनुदेश से किसी भी संख्या में प्रतिभूतियों को अंतरित/सुपुर्द किया जा सकता है. अत: कागजी कार्रवाई तथा बहु अंतरण फॉर्मों पर हस्ताक्षर नहीं करना पड़ता है.

आई. इससे प्रतिभूतियों के पेटे ऋण/अग्रिम लेने में सुविधा होती है.

जे. बोनस,राइट्स निर्गम तथा आईपीओ जैसे गैर-कारपोरेट नकदी कार्रवाई में किसी आबंटन के मामले में तुरंत जमा.

खाता कैसे खोला जा सकता है ?

सर्वप्रथम निवेशक द्वारा किसी डीपी से संपर्क करके खाता खोलने का फॉर्म भरा जाएगा. खाता खोलने के फॉर्म के साथ ऐसे किसी भी अनुमोदित दस्तावेज़ की प्रतियाँ संलग्न की जानी चाहिए जो सेबी द्वारा पहचान के सबूत एवं पते के सबूत के तौर पर मान्य की गयी हों. इनके अलावा 01 अप्रैल, 2006 से खाता खोलते समय मूल पैन कार्ड दिखाया जाना आवश्यक है.

सभी आवेदकों द्वारा मूल दस्तावेजों पर अपने हस्ताक्षर करके डीपी के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा सत्यापन हेतु अपने साथ ले जाया जाना चाहिए.

निवेशक द्वारा डिपोजीटरी द्वारा निर्धारित मानक प्रारूप में डीपी के साथ एक करार पर हस्ताक्षर किया जाएगा जो जिसमें निवेशक तथा डीपी के अधिकारों एवं कर्तव्यों का विवरण दिया जाता है. डीपी द्वारा भावी संदर्भ के लिए निवेशक को करार एवं प्रभारों की अनुसूची की एक प्रति प्रदान की जाएगी. डीपी द्वारा सिस्टम में खाता खोलकर एक विशिष्ट खाता क्रमांक दिया जाएगा जिसे बीओ आईडी (हितार्थ स्वामी पहचान क्रमांक) भी कहा जाता है तथा सभी भावी संव्यवहारों के लिए उपयोग किया जाता है.

अपने भौतिक धारण को इलेक्ट्रोनिक धारण अर्थात प्रतिभूतियों को अमूर्त प्रतिभूतियों में कैसे परिवर्तित किया जा सकता है ?

मूर्त प्रतिभूतियों को अमूर्त प्रतिभूति में परिवर्तित करने के लिए डीपी के पास उपलब्ध एक डीआरएफ़(डिमैट अनुरोध फॉर्म) भर कर इसे अमूर्त प्रतिभूतियों में परिवर्तित की जाने वाले भौतिक प्रमाणपत्रों के साथ प्रस्तुत किया जाता है. प्रत्येक आईएसआईएन के लिए अलग डीआरएफ़ भरा जाना आवश्यक है. अमूर्त रूप में परिवर्तित करने की सम्पूर्ण प्रक्रिया नीचे दी गयी है:

- अमूर्त प्रतिभूति में परिवर्तन हेतु प्रमाणपत्र अपने डीपी को सुपुर्द करें.
- डीपी द्वारा सिस्टम के माध्यम से डिपोजीटरी को अनुरोध के विषय में सूचित किया जाता है.
- डीपी द्वारा जारीकर्ता कंपनी के पंजीयक को प्रमाणपत्र प्रस्तुत किए जाते हैं.
- पंजीयक द्वारा अमूर्त प्रतिभूति में परिवर्तन हेतु डिपोजीटरी से प्राप्त अनुरोध की पुष्टि की जाती है.
- प्रमाणपत्रों को अमूर्त प्रतिभूति में परिवर्तित करने के बाद, पंजीयक द्वारा खातों को अद्यतन करके इसके पूरे होने की सूचना डिपोजीटरी को दी जाती है.
- डिपोजीटरी द्वारा खातों को अद्यतन करके इसका डीपी सूचित किया जाएगा.
- डीपी द्वारा निवेशक का डिमैट खाता क्रमांक अद्यतन किया जाएगा.

यूनियन डिमैट

यूनियन बैंक द्वारा सेवोन्मुखी सेवा यूनियन डिमैट प्रदान की जाती है. यूनियन बैंक यूनियन बैंक सेंट्रल डिपोजीटरी सर्विसेज लिमिटेड का एक डिपोजीटरी प्रतिभागी है. अधिक जानकारी के लिए कृपया नीचे दिये गए लिंक पर जाएँ -

http://www.unionbankofindia.co.in/Hindi/personal_insurance_dematoverviewHindi.aspx

हमारे बैंक में डिमैट खाता खोलने के लिए आप हमारी निकटतम शाखा से भी संपर्क कर सकते हैं अथवा demat@unionbankofindia.com पर ई-मेल भी कर सकते हैं.

Dematerialization of Physical Shares

In terms of SEBI guidelines dated 08.06.2018 & SEBI Press Release dated 03.12.2018, physical transfer of shares is not permissible w.e.f. 01.04.2019. Thus, Shareholders are requested to transfer their physical shares in Demat.

In addition to transfer of shares following additional benefits are available on dematerialization of shares

a. Timely payment of dividend in their Bank account

b. Change of address, registration of Power of Attorney - can be effected across companies by one single instruction to the Depository Participant (DP).

c. It is a safe and convenient way to hold securities compared to holding securities in physical form.

d. No stamp duty is levied on transfer of securities held in demat form.

e. Instantaneous transfer of securities enhances liquidity.

f. It eliminates delays, thefts, interceptions and subsequent misuse of certificates.

g. Market lot of one share for the purpose of transactions - so no odd lot problem.

h. Any number of securities can be transferred / delivered with one delivery instruction. Therefore, paperwork and signing of multiple transfer forms is done away with.

i. It facilitates taking loans / advances against securities.

j. Immediate credits in case of any allotment in Non cash corporate actions such as bonus, rights issues and IPOs.

How can one open an account ?

First an investor has to approach a DP and fill up an account opening form. The account opening form must be supported by copies of any one of the approved documents which serve as proof of identity (POI) and proof of address (POA) as specified by SEBI. Apart from these PAN card has to be shown in original at the time of account opening from April 01, 2006.

All applicants should carry original documents for verification by an authorized official of the DP, under his signature.

Investor has to sign an agreement with DP in a depository prescribed standard format, which gives details of rights and duties of investor and DP. DP should provide the investor with a copy of the agreement and schedule of charges for their future reference. The DP will open the account in the system and give a unique account number, which is also called BO ID (Beneficial Owner Identification number) and used for all future transactions.

How can one convert physical holding into electronic holding i.e. how can one dematerialise securities ?

In order to dematerialise physical securities one has to fill in a DRF (Demat Request Form) which is available with the DP and submit the same along with physical certificates that are to be dematerialised. Separate DRF has to be filled for each ISIN. The complete process of dematerialisation is outlined below:

- Surrender certificates for dematerialisation to your DP.
- DP intimates to the Depository regarding the request through the system.
- DP submits the certificates to the registrar of the Issuer Company.
- Registrar confirms the dematerialisation request from depository.
- After dematerialising the certificates, Registrar updates accounts and informs depository regarding completion of dematerialisation.
- Depository updates its accounts and informs the DP.
- DP updates the demat account of the investor.

UNION DEMAT

Union Bank of India offers service-oriented Demat account - Union Demat. Union Bank is a Depository participant of Central Depository Services Ltd. For further details, please visit the below link -

http://www.unionbankofindia.co.in/english/personal-insurance-dematoverview.aspx

You can also contact our Bank's nearest Branch or E-mail demat@unionbankofindia.com for opening of Demat Account with our Bank.

हरित पहल - शेयरधारकों से अपील

नोटिस / वार्षिक रिपोर्टों तथा

अन्य पत्राचार ई-मेल के माध्यम से प्राप्त करना.

डिमेट खातों में शेयर रखने वाले शेयरधारकों से अनुरोध है कि वे अपने डिमेट खातों में अपना ई-मेल आईडी दर्ज करें.

भौतिक रुप से शेयर रखने वाले शेयर धारकों से अनुरोध है कि -

वे अपनी सहमति इस पत्र के नीचे दिये गये भाग को भरकर तथा उस पर हस्ताक्षर करके उसे हमारे रजिस्ट्रार के पास नीचे लिखे पते पर भिजवा दें:

डाटामैटिक्स बिज़नेस सोल्यूशन लि.

यूनिट : यूनियन बैंक ऑफ इंडिया

प्लॉट नं.बी-5, पार्ट बी, क्रॉस लेन, एमआईडीसी, मरोल

अंधेरी (पूर्व) मुंबई - 400 093

टेली : 022-66712001-6

ईमेल : ubiinvestors@datamaticsbpm.com

GREEN INITIATIVE - APPEAL TO SHAREHOLDERS

TO GET NOTICES / ANNUAL REPORTS &
OTHER COMMUNICATION THROUGH E-MAIL

Shareholders holding Shares in Demat Accounts are requested to :

Register an email ID their Demat A/c.

Shareholders holding Shares in Physical form are requested to:

Send their consent by filling up and signing the perforated portion of this communication to our Registrar & Share Transfer Agent at their address given hereunder:

Datamatics Business Solutions Ltd.

Unit : Union Bank of India,

Plot No.B-5, Part B, Crosslane,

MIDC, Andheri (East), Mumbai-400 093.

Tel. No.:022-66712001- 6

E-mail ID: ubiinvestors@datamaticsbpm.com

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया की हरित पहल

दिनांक :

डाटामैटिक्स बिज़नेस सोल्यूशन लि.
यूनिट : यूनियन बैंक ऑफ इंडिया
प्लॉट नं.बी-5, पार्ट बी, क्रॉस लेन, एमआईडीसी, मरोल
अंधेरी (पूर्व) मुंबई - 400 093
टेली : 022-66712001-6
ईमेल : ubiinvestors@datamaticsbpm.com

प्रिय महोदय,

मैं/हम _____ यूनियन बैंक ऑफ इंडिया कार्पोरेट गवर्नेस के पर्यावरण सुरक्षा (हरित परिवेश) उपायों के एक प्रयास के रूप में यूनियन बैंक ऑफ इंडिया से सभी संदेश अपने नीचे दिये गए ई-मेल आईडी के माध्यम से प्राप्त करना चाहता हूं / चाहते हैं. मेरे / हमारे पास बैंक के _____ शेयर भौतिक रूप में हैं.

फोलियो नम्बर _____

ई-मेल आईडी _____@_____

मोबाईल नम्बर _____

मैं / हम इस आशय से वचन देता हूं / देते हैं कि मेरे / हमारे ई-मेल के माध्यम से प्राप्त संदेश को सही, विधिक तथा यूनियन बैंक ऑफ इंडिया द्वारा हमे भेजे गये दस्तावेजों की समुचित एवं पर्याप्त सुपुर्दगी माना जाएगा. मैं / हम यह भी वचन देता हूं / देते हैं कि यदि किसी तकनीकी / अन्य कारणों से मेरा / हमारा ई-मेल हमें सही रूप में प्राप्त न होने के कारण संदेश प्राप्त नहीं हो पाता है तो हम यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, इसके किसी कर्मचारी, रजिस्ट्रार अथवा इसके कर्मचारियों को उत्तरदायी नहीं ठहरायेंगे.

_____

प्रथम/एकल शेयरधारक के हस्ताक्षर

GREEN INITIATIVE OF UNION BANK OF INDIA

Date:

Datamatics Business Solutions Ltd.

Unit : Union Bank of India,

Plot No.B-5, Part B, Crosslane,

MIDC, Andheri (East), Mumbai-400 093.

Tel. No.:022-66712001- 6

E-mail ID: ubiinvestors@datamaticsbpm.com

Dear Sir,

I/We _____ holding _____ shares of Union Bank of India in physical form, intend to receive all communication from Union Bank of India through our email ID given hereunder, as a part of Green Initiative under Corporate Governance of Union Bank of India.

Folio Number _____

Email ID _____@ _____

Mobile Number _____

I/We also undertake that the communication received through my/ our email id will be treated as proper, legal and sufficient delivery of documents sent to us by Union Bank of India. I/We further undertake that we would not hold Union Bank of India, any of its employees, Registrar or its employees, responsible in case of communication is not properly received at my/our email ID due to any technical/ other failures.

_____

Signature of the First/Sole Shareholder

बुक - पोस्ट

BOOK - POST

सुपुर्द न होने पर कृपया लौटाएं:
मेसर्स डाटामैटिक्स बिज़नेस सोल्यूशंस लि.
यूनिट: यूनियन बैंक ऑफ इंडिया
प्लॉट क्र. बी-5, पार्ट-बी,
क्रॉस लेन, एमआईडीसी,
अंधेरी (पूर्व) मुंबई - 400 093

If undelivered please return to:
M/s. Datamatics Business Solutions Ltd.
Unit: Union Bank of India
Plot No. B-5, Part B,
Crosslane, MIDC
Andheri (East), Mumbai-400 093.